

न्याय दर्शन में मोक्ष और उसकी प्राप्ति के उपाय

न्याय दर्शन में मोक्ष का अर्थ है जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्ति और आत्मा की शुद्ध अवस्था प्राप्त करना। मोक्ष को आत्मा की सर्वोच्च अवस्था माना गया है, जहाँ आत्मा सभी बंधनों और दुखों से मुक्त होती है और शाश्वत शांति, आनंद और ज्ञान का अनुभव करती है।

मोक्ष-प्राप्ति के लिए निम्नलिखित उपाय बताए गए हैं—

1. **सम्यक ज्ञान (सही ज्ञान) :** सत्य और यथार्थ का सही ज्ञान प्राप्त करना। न्याय दर्शन में तर्क, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द जैसे ज्ञान के स्रोतों का सही उपयोग करके सत्य को समझना महत्वपूर्ण है।
2. **तर्कशास्त्र और विवेक :** तर्कशास्त्र का अभ्यास करना और विवेकपूर्ण जीवन जीना। न्याय दर्शन तर्क और विवेक पर आधारित है, जिससे व्यक्ति सत्य और यथार्थ को पहचान सकता है।
3. **धार्मिक और नैतिक आचरण :** नैतिक और धार्मिक सिद्धांतों का पालन करना। सही आचरण, सत्य, अहिंसा और धर्म का पालन करने से व्यक्ति की आत्मा शुद्ध होती है और वह मोक्ष की दिशा में अग्रसर होता है।
4. **ध्यान और आत्म-अवलोकन :** ध्यान और आत्म-अवलोकन का अभ्यास करना। ध्यान से मन की शांति और स्थिरता प्राप्त होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि में सहायता मिलती है।

इन उपायों का पालन करके व्यक्ति न्याय दर्शन के अनुसार मोक्ष प्राप्त कर सकता है और आत्मा की शुद्ध, अनंत और शाश्वत अवस्था में प्रवेश कर सकता है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी

सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग
शिवदेनी राम अयोध्या प्रसाद महाविद्यालय
बारा चकिया, पूर्वी चम्पारण
मो0-9608685335

Email Id- shrawankumarmodi1973@gmail.com